प्रतिज्ञा ली कि पत्तल में भोजन करेंगे, जमीन पर सोएंगे और झोंपड़ी में रहेंगे। उनकी इस प्रतिज्ञा से सेना के जवानों पर ऐसा असर पड़ा कि उन सबने भी प्रतिज्ञा ली कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने जीवन के रक्त की आखिरी बूंद तक कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेंगे और मातृभूमि के लिए मर मिटेंगे, पर हटेंगे नहीं।

अकबर ने महाराणा प्रताप को परास्त करने के लिए 2 लाख सैनिकों को मानसिंह और युवराज सलीम के नेतृत्व में रवाना किया। महाराणा प्रताप की सेना में केवल 22,000 सैनिक थे। महाराणा प्रताप के नेतृत्व में हल्दी घाटी में ऐतिहासिक युद्ध हुआ और अपने से 10 गुना से भी अधिक मुगल सेना पर महाराणा प्रताप की सेना भारी पड़ी। अपने प्रिय चेतक पर सवार होकर महाराणा ने अकेले ही हजारों मुगल सैनिकों का संहार किया। महाराणा प्रताप ने घायल होने के उपरान्त भी हार नहीं मानी और जंगलों की पनाह ली तथा वहीं से मुगल सेना पर आक्रमण जारी रखा। अकबर ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया, किन्तु महाराणा प्रताप को पराजित नहीं कर सका। महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खाकर अपनी लड़ाई जारी रखी।

महोदय, राष्ट्र, धर्म, संस्कृति, स्वाभिमान एवं स्वाधीनता की रक्षा करने वाले वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का जीवन सदा ही हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा और आकर्षण का केंद्र रहा है। ऐसे अद्भुत और अद्वितीय योद्धा की जयन्ती पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 2015 से सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि हिन्दुवा सूर्य महाराणा प्रताप की जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा करने का कष्ट करें।

DR. M. S. GILL (Punjab): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं स्वयं को इनके उल्लेख से संबद्ध करता हूं।

SHRI VIVEK GUPTA (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI B. K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

Separate Crematorium System for Scheduled Castes in many Southern States, especially in Tamil Nadu

श्री तरूण विजय (उत्तराखंड): उपसभापति महोदय, मैं आपके समक्ष एक अत्यंत गंभीर समस्या लाना चाहता हूं। हम अनुसूचित जातियों की बात करते हैं, लेकिन न तो उन्हें सम्मान से जीने दिया जाता है और न ही सम्मान से मरने दिया जाता है। मैं उत्तराखंड से आता हूं। वहां पर मन्दिरों में

[श्री तरूण विजय]

प्रवेश पर उनको पीटा गया। जब वहां एक गर्भवती दलित महिला अपने होने वाले बच्चे के लिए मन्नत मांगने गई, तो उसको पीटा गया। हम लोग इसके लिए राज्यपाल से मिले, मुख्य मंत्री को पत्र लिखा और वहां पर आन्दोलन किया, किन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि उनको धमकाया गया कि अगर तुम ज्यादा हीरो बनोगे और हमारी शिकायत करोगे, तो हम तुमको देख लेंगे।

सर, अभी मैं दक्षिण में तमिलनाडु गया था। मेरे पास दलित लोग आए और कहने लगे कि आप मरने पर भी हमें रास्ता नहीं देते। वहां पर दो-दो कब्रिस्तान बनाए गए हैं। कुछ लोग अपने आप को बड़ी जाति का कहते हैं। मैं कहता हूं कि वास्तव में बड़ी जाति का वही है, जो मानवीय है, लेकिन जो बड़ी जाति का अहंकार रखता है, वास्तव में वह छोटी जाति का ही है। जिसको तुम छोटी जाति का कहते हो, वह हमारा पूज्य है और असल में वही बड़ी जाति का है, लेकिन उस जाति वाले को आप कब्रिस्तान भी दूसरा देते हैं।

मैं मांग करता हूं कि जो दो कब्रिस्तान, दो क्लास वाला सिस्टम तमिलनाडु और अन्य प्रदेशों में जारी है, इसके विरूद्ध सभी दलों को एकजुट होना चाहिए। एक जाति मनुष्य जाति होनी चाहिए। जाति के आधार पर कब्रिस्तान अलग-अलग नहीं होने चाहिए, मन्दिर अलग-अलग नहीं होने चाहिए। सबकी एकजुटता ही हमारी शक्ति है, हमारा प्राण है। सरकार को इस पर कार्यवाही करनी चाहिए।

केरल में एक दलित लड़की को जबरदस्ती आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन राजनीति के कारण उस दलित बच्ची का कोई भी प्रश्न यहां पर उठाया नहीं जाता। क्यों नहीं उठाया जाता? क्या दलित होना पाप है? क्या दलित होने के लिए जरूरी है कि वह आपकी राजनीतिक पार्टी से संबद्ध हो, तभी उसका प्रश्न उठाया जाएगा। ये सब मामले सर्वदलीय होने चाहिए और इसमें कोई भी राजनीतिकरण नहीं देखा जाना चाहिए। यह जो दो कब्रिस्तान, दो क्लास और मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं देना, यह हिन्दुस्तान पर कलंक है और इसके विरूद्ध केंद्रीय सरकार को तुरन्त कार्यवाही करनी चाहिए और आंदोलन करना चाहिए। वे लोग हमारे पूज्य होने चाहिए, जो स्वच्छता के शिखर पर है, जो हमारे गांधी बाबा के सबसे बड़े पूज्य रहे, वैष्णवजन अगर किसी को कहना चाहिए तो अनुसूचित जातियों को कहना चाहिए। उनको राजनीति का मोहरा मत बनाइए, उनको सम्मान से जीने दो और उनकी मृत्यु पर भी वही सम्मान प्रकट करो। जो बड़ी जाति का अहंकार रखने वाले हैं वे तुच्छ हैं, उनके विरूद्ध कार्यवाही होनी चाहिए। यह छोटी जाति और बड़ी जाति का अंतर मिटना चाहिए और सामाजिक संरचना की बात होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)... आज भी महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब): सर, मैं भी इसका समर्थन करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, now, Mr. Minister, I want to know. See, already. ...(*Interruptions*)... No, please. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH (Tamil Nadu): Sir, ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I want to know....(*Interruptions*)... Mr. Minister, already a commitment is given to Km. Mayawati. I want to know when.... ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : Sir, he was speaking about Tamil Nadu. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The commitment is that a specific demand would be responded to. ...(*Interruptions*)... When are you going to do that? ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : No, Sir, I want to respond. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No, please. What is this? ...(*Interruptions*)..., what is this? Sit down, sit down. ...(*Interruptions*)... What is this? आप बैठिए।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI) : Sir. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : Sir, I want to kindly respond to his statement. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, it is not going on record. ...(*Interruptions*)... Don't do that. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not going on record. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, you are my dear sister. Sit down. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Now, Mr. Minister, see the commitment given to Km. Mayawati has to be fulfilled. ...(*Interruptions*)... When are you going to do that? That is no.1. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Can you say something about that?

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः सर, ऑनरेबल मिनिस्टर यहां पर अवेलबल हैं।

---

*Not Recorded

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Agreed. ...(*Interruptions*)... Okay.

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः अगर आप चाहते हैं तो अभी मायावती जी ने जिस मुद्दे को रखा **...(व्यवधान)...**

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No, no, please. ...(*Interruptions*)... It is not going on record. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I will allow you a separate chance. ...(*Interruptions*)... Give a notice. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : You give a Zero Hour Notice. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No, you give a Zero Hour Notice. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Give a Zero Hour Notice. ...(*Interruptions*)... You can say it. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No, it is not going on record. ...(*Interruptions*)... Why don't you give a Zero Hour Notice? ...(*Interruptions*)... It is not going on record. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः सर, आप इधर सुनिए तो हो जाएगा। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Yes, please. ...(*Interruptions*)... Then, speak louder. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH : *

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः जिस विषय को मायावती जी ने उठाया है उसके बारे में हमने कहा था कि जब ऑनरेबल मिनिस्टर रिप्लाई करेंगी तब उस पर रिस्पांड करेंगी। अभी ऑनरेबल मिनिस्टर यहां हैं, उनका रिप्लाई कल हो चुका है, लेकिन मायावती जी का जो स्पेसिक मुद्दा है,

---

*Not Recorded

MR. DEPUTY CHAIRMAN : When, when? ...(*Interruptions*)...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः उसके बारे में अगर सदन चाहता है तो just now, immediately उसे ले सकते हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No time, now. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI : It is all right. ...(*Interruptions*)... तो 2:30 बजे पर इलेक्शन लॉ (अमेंडमेंट) बिल, 2016 है, जिस पर सहमति है कि उसको पास करना है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : That is already there. ...(*Interruptions*)...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः उसके बाद ऑनरेबिल मिनिस्टर रिप्लाई दे सकती हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, that means, between 2.30 p.m. to 3.00 p.m.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI : Yes, Sir.

सुश्री मायावती (उत्तर प्रदेश)ः नहीं, यह हमें मंजूर नहीं है। पहले हमें जवाब चाहिए, उसके बाद बिल चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Okay. ...(*Interruptions*)... No, no. That is not a problem. ...(*Interruptions*)... We will do one thing.

सुश्री मायावतीः पहले जवाब चाहिए फिर बिल चाहिए।

श्री उपसभापतिः ठीक है, I will come to that. Already in the presence of the Chairman in the morning, there was a consensus among the leaders that the Bill, which is the consequence of that agreement, has to be taken up. So, we will pass it without discussion. So, that needs only ten minutes. Now, we will take up the Private Members' Bill at 3.00 P.M if the House agrees, from 3.00 P.M. to 5.30 P.M., so that even if the Bill has taken ten minutes, you have twenty minutes. Even otherwise, I have no problem either way.

सुश्री मायावती : माननीय उपसभापति जी, आपसे यह रिक्वेस्ट है कि माननीया मंत्री जी मेरे सवाल का जवाब दे दें और इस संदर्भ में मुझे भी अपनी बात रखनी है, उसके बाद आप बिल ले आएं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, now, the hon. Minister.

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI D.V. SADANANDA GOWDA): Sir, I have requested that this is a very important Bill because elections are going to be held in West Bengal in May. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No, no. Don't worry. ...(*Interruptions*)... I agree with you. ...(*Interruptions*)...

SHRI D. V. SADANANDA GOWDA: Many of them are agreeing. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I see the importance. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, if the House agrees. Just now, we will pass it. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Just now, it is Question Hour. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal) : Sir, it is not only Behenji's question, but we also have questions that need answers. You must answer Behenji's question and other questions also.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is what I told you.

SHRI SITARAM YECHURY: I have lots of questions.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: That is all right, no problem.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: In that case, the only way is that at 2.30 P.M., Behenji's question will be replied to and the rest will be taken up later. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: No, no. At 2.30 p.m., the Bill will be taken for 10 minutes and then Behenji's question will be taken up. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We have decided about 2.30 p.m. It is now Question Hour time. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, the Minister has given a statement. We are not interested in anything except for Short Duration Discussion. We are not interesting in passing legislations. ...(*Interruptions*)... We have already said, we are not interested. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKTAR ABBAS NAQVI: But we are interested. ...(*Interruptions*)...

12.00 NOON

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

(MR. CHAIRMAN *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, it is Question Hour. ...(*Interruptions*)... Please resume your seats. ...(*Interruptions*)... Now, we take up Question No. 31. ...(*Interruptions*)...